वार्तालाप-559, पोखरा (नेपाल), दिनांक 01.05.08
Disc.CD No.559, dated 01.05.08 at Pokhra (Nepal)

समयः 01.00-02.22
जिज्ञासुः बाबा, ये शान्तिधाम को ब्रह्म योनि भी कहते हैं ना।
बाबाः ब्रह्म माने ब्रह्मा।
जिज्ञासुः ब्रह्मा योनि का मतलब?
बाबाः सुनो तो। ब्रह्म माने?
जिज्ञासुः ब्रह्मा।
बाबाः ब्रह्मा। ब्रह्म माने बड़ी और मा माने माँ। क्या? ब्रह्म माने बड़ी माँ। बड़ी माँ हुई ब्रह्मा। सृष्टि में ढ़ेर सारी माताएं हैं। लेकिन सारी मनुष्य सृष्टि की माँ कौन हुई? ब्रह्मा। है ना? तो बच्चों की पैदाइश कहाँ से होती है? (जिज्ञासु- माँ से।) तो सारी सृष्टि की पैदाइश कहाँ से होती है? आपने जो शब्द बोला उसका जवाब दे रहे हैं। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ। इसलिए गीता में भी शब्द आया है – मद् योनि परम ब्रह्म तस्मं गर्भम् ददाम् अहम्। मेरी योनि ब्रह्म लोक है। मद योनि परम ब्रह्म। जिसे परम ब्रह्म कहा जाता है। परम माने बड़ी। मद् योनि परम ब्रह्म। माने परम ब्रह्म ही मेरी योनि है। उसमें मैं गर्भाधान करता हूँ।

Time: 01.00-02.22
Student: Baba, the abode of peace (*shantidham*) is also called *Brahm yoni*, isn't it?
Baba: *Brahm* means Brahma.
Student: What is meant by *Brahm yoni*?
Baba: Just listen. What is meant by *Brahm*?
Student: Brahma.
Baba: Brahma. *Brahm* means senior and *Ma* means mother. What? *Brahm* means the senior mother. The senior mother is Brahma. There are numerous mothers in the world. But who is the mother of the entire human world? Brahma, isn't it? So, where are children born from? (Everyone: From Brahma.) So, where is the entire world born from? I am replying to the word you mentioned. (Student said something.) Yes. This is why words have also been mentioned in the Gita, *'Mad yoni param brahm tasmam garbham dadaam aham'*. My *yoni* (womb) is *Brahm lok*[1]. *Mad yoni param brahm*. The one which is called *Param Brahm*. *Param* means big. *Mad yoni param Brahm*. It means, *Param Brahm* itself is my *yoni*. I sow the seed in it.

समयः 07.16-14.30
जिज्ञासुः बाबा, ये रामायण में बताया – हनूमान की पूंछ में आग लगाई और सारा लंका जल गई।
बाबाः हनूमान की पूँछ में लग न पाई आग। सारी लंका जल गई, गए निशाचर भाग।

[1] the Supreme Abode.

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

जिज्ञासुः इसका मतलब?
बाबाः भक्तिमार्ग में ऐसे भी कहते हैं। इस कहावत का मतलब ये है कि हनूमान कोई है ना ज्ञान मार्ग में। कौन है? हनूमान कौन है?
जिज्ञासुः महावीर।
बाबाः और राम भगवान कौन है? भक्तिमार्ग में तो राम को ही भगवान मान लिया है। राम भगवान कौन है? राम के भक्त राम को भगवान मानेंगे या कृष्ण के भक्त राम को भगवान मानेंगे? या शिव के भक्त राम को भगवान मानेंगे?
जिज्ञासुः राम का भक्त राम...

Time: 07.16-14.30
Student: Baba, it has been mentioned in the Ramayana: Hanuman's tail was set on fire and the entire Lanka was burnt.
Baba: Hanuman's tail couldn't catch fire, the entire Lanka was burnt and the demons ran away.
Student: What does it mean?
Baba: It is also said like this in the path of *bhakti*. The meaning of this saying is that there is a Hanuman in the path of knowledge, isn't there? Who is it? Who is Hanuman?
Student: Mahavir.
Baba: And who is God Ram? In the path of *bhakti* Ram has been considered to be God. Who is God Ram? Will the devotees of Ram consider Ram to be God or will the devotees of Krishna consider Ram to be God? Or will the devotees of Shiva consider Ram to be God?
Student: The devotees of Ram....

बाबाः जो राम के भक्त रहे होंगे, अभी एडवांस पार्टी में जिन्होंने शिव को उतना पक्का नहीं पकड़ा। किसको पकड़ लिया? राम वाले व्यक्तित्व को पकड़ लिया उनके लिए राम भगवान हो गया। तो राम भगवान जो समझ लिया उन्होंने, राम भगवान की भी विशेष इस समय सेवा करने वाली आत्मा कौन सी है जो कोई भी अटके भीरे उस आत्मा की विशेष सेवा करती है, विशेष इन्स्पिरेटिंग देती है, विशेष उमंग-उत्साह देने वाली आत्मा कौन है? कोई प्रवेश करने वाली आत्मा होगी ना। कौन है वो?
जिज्ञासुः जो इमर्ज करते हैं ना, वो ही बच्चे।
दूसरा जिज्ञासुः जिसने पुरुषार्थ किया हो वो देवता बनने लायक हो वो ही हो सकता है।
बाबाः तो कौन हो सकता है? राम वाली आत्मा में इस समय कौनसी आत्मा प्रवेश करके उसको इन्स्पिरेट माना उमंग-उत्साह बढ़ाती है?
जिज्ञासुः आदि वाली आत्मा।

Baba: Those who would have been the devotees of Ram, now those who have not developed faith on Shiva so firmly; whom did they develop faith on? They developed faith on the personality of Ram. For them Ram is God. So, Ram, whom they have considered to be God, which is the soul who especially serves even God Ram at present, who especially serves and inspires him and gives him special zeal and enthusiasm? It must be a soul, who enters, mustn't it? Who is it?

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

Student: The children who are emerged (by Baba).
Another student: It can be only the one who would have made *purusharth*, who would have become worthy of becoming a deity.
Baba: So, who can it be? Which soul enters (the body of) the soul of Ram and inspires, i.e. increases his zeal and enthusiasm?
Student: The soul of the beginning.

बाबाः आदि वाली आत्मा कौन? आदि वाली आत्मा तो प्रजापिता, वो रामवाली खुद ही आत्मा है। (किसीने कहा- ब्रह्मा।) ब्रह्मा की सोल। क्या? ब्रह्मा की सोल इस समय राम वाली आत्मा में प्रवेश करती है या नहीं? चन्द्रमा के रूप में प्रवेश करके पार्ट बजाती है कि नहीं? (सभी- बजाती है।) तो उसमें जो प्रवेश करती है, इन्स्पिरेट करती है वो जैसे कि माँ-बाप का पार्ट बजा रही है। राम वाली आत्मा जिस समय ज्ञान में आई थी; एडवांस तो सन् ७६ से शुरू हुआ। ज्ञान में तो पहले ही आ गई कि नहीं? तो उस समय उसने अपना माँ-बाप किसको माना? ज्ञान में माँ-बाप किसको माना साकार में? मम्मा बाबा को। तो वो ही ब्रह्मा बाबा की सोल जो है भावना के आधार पर वो राम वाली आत्मा को अपना माँ-बाप के रूप.... सबसे अच्छे दास-दासी कौन होते हैं?
जिज्ञासुः माँ-बाप।
बाबाः माँ-बाप ही दास-दासी होते हैं। तो अपना बच्चा समझ करके उनकी सेवा कर रही है। जैसे हनूमान राम का क्या था?
जिज्ञासुः सेवक।

Baba: Who is the soul of the beginning? The first soul / soul of the beginning is Prajapita, he himself is the soul of Ram. (Someone said: Brahma.) The soul of Brahma. What? Does the soul of Brahma enter (the body of) the soul of Ram at this time or not? Does it enter him in the form of the Moon and play a part or not? (Everyone said: He does play.) So, the [soul] which enters (Ram) and inspires him; it is as if it is playing the part of the mother and the father. When the soul of Ram entered the path of knowledge; the advance (knowledge) started from the year 1976. Did he enter the path of knowledge already before or not? So, whom did he consider to be his parents at that time? Whom did he consider as his parents in knowledge in the corporeal form? Mamma and Baba. So, that very soul of Brahma Baba, on the basis of his feelings… Who are the best servants?
Student: The parents.
Baba: The parents themselves are servants. So, he (the soul of Brahma) is serving him considering him to be his child. For example, what was Hanuman’s relationship with Ram?
Student: Servant.

बाबाः सेवक था। तो प्रवेश करके उनको कंधे पर बैठा करके उड़ाती है। दिखाते हैं ना हनूमान ने क्या किया? राम सीता को कंधों पर बैठा करके उड़ाया यानि पुरुषार्थ की ऊँची स्टेज में उड़ाया। तो ब्रह्मा वाली आत्मा माने हनूमान वाली आत्मा पवनसुत कही जाती है ना। क्या कही जाती है?
जिज्ञासुः पवनसुत।

बाबाः पवनसुत। पवन माने हवा। वायु पुत्र। तो ये जितने भी भूत-प्रेत आत्मायें हैं ये सब क्या हैं? हवा ही तो हैं। क्या हैं? हवा। उन हवा के पुत्रों में सबसे श्रेष्ठ पुत्र है हनूमान। सबसे ज्यादा पावरफुल। वो हनूमान जो है उसकी विकारों की पूँछ राम वाली आत्मा में काम करती है। क्या? राम वाली आत्मा जो है इस आत्मा के पार्ट से ब्रह्माकुमारियां इतना क्यो डरती है? कारण क्या है? इतनी ग्लानि क्यों करती हैं? कारण क्या है? अरे ग्लानि किस आधार पर होती है?
जिज्ञासुः विकार।

Baba: He was a servant. So, he enters and makes them sit on his shoulders and fly. It is shown, isn't it, what did Hanuman do? He enabled Ram and Sita to sit on his shoulders and fly, i.e. he enabled them to fly in a high stage of *purusharth*. So, the soul of Brahma, i.e. the soul of Hanuman is called *Pavansut* (son of wind). What is it called?
Student: *Pavansut.*
Baba: *Pavansut. Pavan* means wind. Son of wind. So, what are all these souls of ghosts and spirits? They are just wind. What are they? Wind. Among the sons of wind, Hanuman is the most elevated son. The most powerful one. That Hanuman; his tail of vices works in the soul of Ram. What? Why do the *Brahmakumaris* fear the part of the soul of Ram so much? What is the reason? Why do they defame him so much? What is the reason? Arey, defamation takes place on what basis?
Student: Vices.

बाबाः विकारों के आधार पर ग्लानि होती है। उन्हें उसके पुरुषार्थ का तो पता है नहीं कि ऊँचा पुरुषार्थ कितना है कि कीचड़ में रह करके भी कमल फूल समान बुद्धि है। वो ऊपर की बात देखती हैं कि इतना संसर्ग करता है, इतना संपर्क करता है, इतनी आत्माओं के साथ संबंध जुटा हुआ है। ये बातें उनको दिखाई पड़ती है। तो हनूमान वाली आत्मा इस समय जैसे कि उसमें प्रवेश करके सारा पार्ट बजाती है विकारों का। राम वाली आत्मा तपस्वी है। क्या? उसको तो पुरुषोत्तम कहा जाता है। क्या कहा जाता है? एकलव्य। एक माने? एक को लव करने वाला। वो तो बहुत श्रेष्ठ ऊँचा पार्ट है। लेकिन ब्रह्मा की आत्मा उतना ऊँचा पार्ट नहीं है। वो जब प्रवेश करती है, उनको संग का रंग लगता है। तो जिन-जिन आत्माओं से संसर्ग संपर्क होता है १६००० आत्माओं से उनसे सबसे संग का रंग लगता है वो सब कपड़े हो गए। वो कपड़े उसकी विकारों रूपी पूँछ में बांधे जा रहे हैं। सरेण्डर होंगे तो कहाँ बंधेंगे? उन विकारों की पूँछों से बंध रहे हैं। सारी पूंछ में वो कपड़े सारे, रावण राज्य के सारे कपड़े बांध दिये गए। लंका में दिखाते हैं ना कि सारी लंका में जितने भी – रहा न वसन घृत तेल। जितने भी वस्त्र थे और जितना भी घी, तेल था वो सब पूँछ में बांध दिया गया कि उनके खाने पीने के लिए भी नहीं रहा। सारा ही बांध दिया। और फिर उसमें आग लगा दी। फिर क्या हुआ? फिर अजूबा गरूबा क्या हुआ?

Baba: Defamation takes place on the basis of vices. They do not know about his *purusharth* that how high his *purusharth* is, that his intellect is like a lotus even while living in sludge. They see outwardly that he has so many connections, contacts; he has a relationship with so

many souls. They see these things. So, it is as if the soul of Hanuman enters him and plays the entire part of vices now. The soul of Ram is a *tapaswi* (the one who does meditation). What? He is called *Purushottam* (the best among the souls). What is he called? *Eklavya*. What is meant by *Eklavya*? The one who loves [only] One. That is a very elevated [and] high part. But the soul of Brahma does not play such a high part. When he enters, he is coloured by the company. So, all those souls, the 16000 souls in whose contact and connection he comes and is coloured by their company are clothes. Those clothes are being tied to his tail of vices. When they surrender, where will they be tied? They are being tied to those tails of vices. Those clothes, all the clothes of the kingdom of Ravan were tied to the entire tail. It is shown in Lanka that in the entire Lanka; 'rahaa *na vasan ghrit tail*' (there was no cloth or oil left); all the clothes [were tied to the tail], all the oil and *ghee* available in Lanka was poured on the tail. Nothing remained for them even to eat. Everything was tied with it. And then it was set afire. What happened next? Which miracle took place after that?

जिज्ञासु ने कुछ कहा।
बाबाः हाँ, उनकी पूँछ बच गई और सारे कपड़े और सारा तेल जल गया। माना विकार सारे भस्म हो गए। पूँछ उनकी फिर भी बची रही। क्या पूँछ बची रही?
जिज्ञासुः देह अभिमान की पूंछ।
बाबाः हाँ, देह अभिमान की पूँछ कैसे बची रही? कैसे साबित करेंगे कि ब्रह्मा अर्थात् कृष्ण की आत्मा की देहअभिमान की पूँछ सतयुग में बच जाती है और राम वाली आत्मा की पूँछ नहीं बचती है? ये साबित करना पड़ेगा ना। वो ऐसे साबित करेंगे कि लक्ष्मी-नारायण के चित्र को ध्यान से देखो। लक्ष्मी-नारायण के चित्र में लक्ष्मी-नारायण सामने देख रहे हैं। क्या? एक दूसरे को नहीं देख रहे हैं। माने उनकी आँखों में भी देहभान नहीं है। और जबकि नीचे राधा-कृष्ण? लक्ष्मी-नारायण के नीचे राधा-कृष्ण भी तो खड़े हुए हैं। वो कौनसी आत्मायें हैं? कौनसी आत्माएं हैं? हनूमान वाली आत्मा है। वो ही कृष्ण और राधा वाली आत्मायें हैं। वो क्या कर रही हैं? एक दूसरे को देख रही हैं। माना देहअभिमान है ना। वहाँ दृष्टि से संतान पैदा करेंगे। कहाँ? सतयुग में। सतयुग में जो संतान पैदा होगी, काहे से पैदा होगी? दृष्टि के आकर्षण से पैदा होगी। और जो संगमयुग में संतान पैदा होगी राधा-कृष्ण जैसी श्रेष्ठ आत्माओं की वो काहे से पैदा होंगी? वायब्रेशन से पैदा होंगी। तो ये कहावत बना दी है। हनूमान की पूँछ में लग न पाई आग, लंका सारी जल गई और गए निशाचर भाग। ऐसे ही बढ़िया-बढ़िया प्रश्न पूछो जो लोगों की तबीयत खुश हो जाए।

Student said something.
Baba: Yes, his tail was saved and all the clothes and oil was burnt. It means that all the vices were burnt to ashes. Yet his tail survived. Which tail survived?
Student: Tail of body consciousness.
Baba: Yes, how did the tail of body consciousness survive / remain intact? How will you prove that the tail of body consciousness of Brahma, i.e. Krishna's soul survives in the

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

Golden Age and the tail of the soul of Ram does not survive? This will have to be proved, will it not? That will be proved like this: Look at the picture of Lakshmi-Narayan carefully. In the picture of Lakshmi-Narayan, Lakshmi and Narayan are looking in front. What? They are not seeing each other. It means that there is no body consciousness even in their eyes. Whereas what about Radha-Krishna below? Radha and Krishna are also standing below Lakshmi and Narayana. Which souls are they? Which souls are they? The soul of Hanuman. They are the same souls of Krishna and Radha. What are they doing? They are seeing each other. It means that there is body consciousness, isn't there? There the children will be born through vision. Where? In the Golden Age. Through what will the children be born in the Golden Age? They will be born through the attraction of the eyes. And the children born in the Confluence Age, i.e. the elevated souls like Radha and Krishna will be born through what? They will be born through vibrations. So, this proverb has been made. "Hanuman's tail couldn't catch fire, the entire Lanka was burnt and the demons ran away". Keep on asking such good questions so that people feel refreshed listening to it.

समयः 41.25-44.20

जिज्ञासुः बाबा, शंकर और पार्वती का जो कथा है ना बाबा, इसका अर्थ क्या है?

बाबाः शंकर ने पार्वती को कथा सुनाई। शंकर ने पार्वती को कथा सुनाई। वास्तव में शंकर ने थोड़े ही सुनाई। सुनाई किसने? शिव ने। लेकिन शिव ने जब कथा सुनाई तो पार्वती तो अज्ञान की नींद में सो ही गई। अभी भी सोई पड़ी है। सोई पड़ी है कि जगी पड़ी है? वो सोई पड़ी है। और जो तोते हैं, जिनको ज्ञान की कंठी पड़ी हुई है सुन लिया उन्होंने। उन्होंने थोड़ा समय सुना और ज्ञान चारों तरफ सुना रहे हैं एडवांस ज्ञान। तो उनका भाग्य बन गया तब तक। बनना चाहिए था पार्वती का भाग्य। विश्व का बादशाह बनना चाहिए था किसको? जिसको कथा सुनाई जा रही थी उसको बनना चाहिए था। लेकिन वो नहीं बन पाई। कौन बना? तोते विश्व के मालिक बन गए। पार्वतीजी अभी भी नहीं सुन रही हैं जिनको लकब मिला हुआ है पार्वती (का)। पार लगाने वाली। किसको पार लगाने वाली?

किसी ने कहाः अज्ञानता को पार लगाने वाली।

Time: 41.25-44.20

Student: Baba, what is the meaning of the story of Shankar and Parvati?

Baba: Shankar narrated a story to Parvati. Shankar narrated a story to Parvati. Actually it was not Shankar who narrated [the story]. Who narrated it? Shiva. But when Shiva narrated the story, Parvati slept in the sleep of ignorance. Even now she is asleep. Is she asleep or is she awake? She is asleep. And the parrots who have a *kanthi*[2] of knowledge heard it. They heard it for some time and are narrating the knowledge, the advance knowledge everywhere. So, they earned fortune till then. Actually Parvati was supposed to earn the fortune. Who was supposed to become the emperor of the world? The one who was being narrated the story was supposed to become [master of the world]. But she could not become that. Who became? The parrots became the masters of the world. Parvati*ji*, who has received the title of Parvati is not listening even now. The one who takes everyone across. Who does she take across?

Someone said: The one who takes across ignorance.

---

[2] A red ring around the neck

बाबाः हाँ, हाँ। किसको पार लगाने वाली? अज्ञान के सागर से पार लगाने वाली। किसको पार लगाएगी? सारी दुनिया विषय सागर में पड़ी हुई है। सारी दुनिया विषय वैतरणी नदी में पड़ी हुई है। उससे पार कैसे होंगे? (किसी ने कहाः ज्ञान से) ज्ञान से पार होंगे? ज्ञान से पार होंगे वो तो ठीक बात है लेकिन जब तक पार्वती उस ज्ञान को नहीं सुनेगी तब तक पार होने वाले नहीं है।

किसी ने कहाः पहले ज्ञान पार्वती सुनना पड़ेगा।

बाबाः हाँ, जब तक पार्वती पूरा ज्ञान न सुने तब तक कोई भी विश्व का मालिक बन नहीं सकता।

Baba: Yes, yes. Whom does she take across? She is the one who takes everyone across the ocean of ignorance; who will she take across? The entire world is lying in the ocean of vices (*Vishay sagar*). The entire world is lying in the river of vices (*Vishay vaitarni nadi*). How will they sail across it? (Someone said: Through knowledge.) Will they sail across through knowledge? It is correct that they will sail across through knowledge, but until Parvati listens to that knowledge, they are not going to sail across.
Someone said: First Parvati will have to listen to the knowledge.
Baba: Yes, until Parvati listens to the complete knowledge, nobody can become the master of the world.

जिज्ञासुः पार्वती का ...?

बाबाः वती माना वाला। धनवान।

जिज्ञासुः जब आत्मा ने ज्ञान...

बाबाः सुना।

जिज्ञासुः ज्ञान सुना ना।

बाबाः हाँ।

Student: Baba, Parvati's…?
Baba: *Vati* means the one…; *Dhanwaan* (wealthy).
Student: When the soul... knowledge…
Baba: Heard it.
Student: She listened to knowledge, didn't she?
Baba: Yes.

जिज्ञासुः तबसे...

बाबाः तो एडवांस ज्ञान सुना कहां? पार्वती ने एडवांस ज्ञान सुना? सुन रही है? सुनने पर ध्यान दे रही है? नहीं दे रही है। तो वो हमारे कुल की नहीं है। कौन? कौन नहीं है हमारे कुल की? (किसी ने कहाः पार्वती) पार्वती। फिर किस कुल की है? (किसी ने कहा-इब्राहिम और क्रिश्चन।) नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। वो चन्द्रवंश की है। ज्ञान चन्द्रमाँ ब्रहमा को मानने वाली है। उनके पीछे-पीछे चलने वाली है लेकिन ज्ञान सूर्य को पहचानने वाली और मानने वाली नहीं है। जब मानने वाली, पहचानने वाली बन जाएगी तो वो भी सूर्यवंशी बन जाएगी।

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

Student: Since that time….
Baba: So, when did she listen to the advance knowledge? Did Parvati listen to the advance knowledge? Is she listening to it? Is she paying attention to listening to it? She isn't. So, she does not belong to our clan. Who? Who does not belong to our clan? (Someone said: Parvati.) Parvati. Then which clan does she belong to? (Someone said: Islam and Christian religion.) No, no, no, no, no. She belongs to the Moon dynasty. She is the one who believes in the Moon of knowledge Brahma. She is the one who follows him. But she is not the one who recognizes and believe in the Sun of knowledge. When she becomes the one who recognizes and believes [the Sun of knowledge], she too will become a *Suryavanshi* (the one who belongs to the Sun dynasty).

समयः 53. 12-59.25

जिज्ञासुः बाबा, हमें काठमाण्डू की माता ने बताया जो ब्रह्माकुमारी है ना वो लोग बोल रहे हैं कि २०१२ तक विनाश हो जाएगा।

बाबाः ब्रह्माकुमारियों ने नहीं बोला। कोई बड़ा दुनिया का, अफरिका का ज्योतिषि है। उसी ज्योतिषि ने ये घोषणा की है कि २०१२ में पाण्डवों का जो वनवास था वो १३-१४ साल पूरे हो रहे हैं। क्या? राम को कितने साल का वनवास हुआ? (सबने कहा– १४ साल का।) पाण्डवों को कितने साल का वनवास हुआ? (किसी ने कहा – १२) १३ साल का। तो १३-१४ साल हैं वो (२०)१२ में पूरे हो रहे हैं। माना (१९)९८ में हमला हुआ था। कहाँ? पाण्डवों के ऊपर। पाण्डव कहाँ गुप्तवास करते थे? सबसे ज्यादा लंबे समय तक उन्होंने गुप्तवास कहाँ किया? भट्ठी करके आ गये, भूल गए?

जिज्ञासुः भट्ठी करके आ गये।

बाबाः फिर भी भूल गये। काम्पिल्य नगर में।

Time: 53.12-59.25
Student: Baba, a mother from Kathmandu told me that the Brahmakumaris are saying, destruction will take place by 2012.
Baba: The Brahmakumaris did not say this. There is a big astrologer of the world, from Africa who has declared that the 13-14 years of forest-stay (*vanvaas*) of the Pandavas is going to end in 2012. What? How many years was Ram asked to spend in forests? (Everyone said: 14 years.) For how many years were the Pandavas asked to spend in the forests? (Someone said: 12.) 13 years. Forest stay for 13 years. So, those 12-13 years, 13-14 years are going to finish in (20)12. It means that an attack was launched in (19)98. Where? On the Pandavas. Where did Pandavas used to live incognito? Where did they live incognito for the maximum time? You have finished your *bhatti*; did you forget?
Student: We finished our *bhatti*.
Baba: Yet you have forgotten?

बाबा: काम्पिल्य नगर में लम्बे समय तक वनवास किया। गुप्त वास किया और वहाँ से उनको देश निकाला मिला। कहाँ वास किया? काम्पिल्य। ये बुद्धि से वास करने की बात है। देह से वास करने की बात नहीं है। तो (१९)९८ में जो देश निकाला मिला और बुद्धि से वहाँ

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

वास कर रही है वो आत्मा स्थापना के लिये । तो वो १२-१४ साल कब पूरे हो रहे हैं? ९८ के बाद १२-१४ कब पूरे हो रहे हैं? (२०)१२ में वो १२-१४ साल पूरे हो जायेंगे। तब युद्ध शुरु हो जायेगा ब्राह्मणों की दुनिया में। (किसीने पूछा- फिर युद्ध शुरु हो जायेगा?) हाँ। अभी कहाँ युद्ध हो रहा है? अभी कोई महाभारत युद्ध हो रहा है? (किसीने कहा- खुट-पुट – 2 तो होता ही रहता है।) वो तो सिविल वॉर चल रही है। (जिज्ञासु- अभी तो वो ही....।) छुट-पुट-2। ये तो सिविल वॉर है।

जिज्ञासु: कही बॉम्ब पड़ता है, कही कुछ होता है। वैसे ही हो रहा है।

बाबा: वो तो पहले भी होता रहा। अन्दर-2 अभी आग सुलग रही है। लेकिन बड़ा युद्ध तो अभी होने वाला है। क्या? अभी युद्ध कहेंगे? महाभारत युद्ध शुरु हो गया? अभी तो नहीं शुरु हुआ।

Baba: They lived a life like in a forest (*vanvas*) in the town of Kampilya for a long time. They lived in secret and they were exiled from there. Where did they live? In Kampilya. This is about staying there through the intellect. It is not about staying there with the body. So, in 1998 they were exiled and they are staying there through their intellect for [the purpose of] establishment. So when are those 12 to 14 years completing? After 1998, when are the 12 to 14 years completing? (Someone said: in 2012). Those 12 to 14 years will be completed in the year 2012. It is then that the war will begin in the Brahmin world. (Someone said: will it begin again?) Where is the war going on at present? Is the Mahabharat war going on at present? (Someone said: It keeps happening little by little.) That is the civil war going on. (Someone said: now it is that…) A little by little. This is just the civil war.
Student: A bomb blasts somewhere; something [else] happens somewhere. It is happening like this.
Baba: That has been happening before as well. The fire is kindling internally but the big war is going to take place now. What? (Someone said: from 2012) Will it be called war now? Did the Mahabharat war begin? It has not begun yet.

समयः 01.06.23-01.07.06

जिज्ञासुः बाबा पितृ बुलाने के लिए बोलते हैं ना।

बाबाः हाँ, पितरों को बुलाते हैं। हाँ।

जिज्ञासुः उसका अर्थ क्या है बाबा?

बाबाः पितरों का अर्थ ये है कि मम्मा-बाबा अभी हमारे पितर हैं। क्या? हाँ। उनको बुलाओ। इनकी आत्मा की गति-सद्गति हो जाए। जब तक पितर ऋण नहीं चुकेगा तब तक कल्याण नहीं होना है। माने जब तक मम्मा-बाबा की आत्मा का कल्याण नहीं होगा तब तक किसी का कल्याण होने वाला नहीं है।

Time: 01.06.23-01.07.06
Student: Baba, people speak about recalling the ancestors (*pitr*), don't they?
Baba: Yes, the ancestors.
Student: Baba, what does it mean?

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

Baba: *Pitar* (ancestors) means that now Mamma and Baba are our *pitar* (souls of ancestors). What? Yes. Recall them so that their souls can achieve *gati-sadgati (salvation and true salvation).* Until you do not clear the debts of the ancestors, you are not going to be benefited. It means that until the souls of Mamma and Baba are benefited nobody is going to be benefited.

समयः 01.12.33-01.14.35

जिज्ञासुः बाबा राधा और कृष्ण की जो आत्मायें हैं ना उनको बचपन से ही रासलीला करते हुए दिखाय गया है स्वर्ग के सीन में। ये अलग राजधानी के होते हैं कि एक ही राजधानी के?

बाबाः सतयुग में जो बच्चे पैदा होंगे वो कभी विधवा और विधुर नहीं बनेंगे। क्या? अगर वो पहले जन्म ले लें और बाद में जन्म लें तो जरूर विधवा विधुर बन गए होंगे ना। नहीं समझ में आया? दो आत्मायें हैं कोई 21 जन्म की साथी और वो आत्मायें पहले उनमें कोई शरीर छोड़ दे, उसके २-४ साल के बाद दूसरा शरीर छोड़े तो विधुर या विधवा बनेगा कि नहीं?

जिज्ञासुः बन जाएगा।

बाबाः बन जाएगा। विडो बन जाएगा ना। तो ऐसे ही वहाँ सतयुग में विधवा-विधुर कोई बनता ही नहीं। माना साथ ही साथ शरीर छोड़ते हैं और साथ ही साथ कोई गर्भ में जन्म ले लेते हैं। ये संगमयुग की बात है।

Time: 01.12.33-01.14.35

Student: Baba, in the scene of heaven, the souls of Radha and Krishna have been shown to be performing *rasleela* (dance) from their childhood itself. Do they belong to the same kingdom or to different kingdoms?

Baba: The children who are born in the Golden Age will never become a widow or a widower. What? If one is born early and the other is born later, they wouldn't have certainly become a widow or a widower, wouldn't they? Did you not understand? There are two souls, companions for 21 births; and if one of the two souls leaves its body first and after 2-4 years the other one leaves the body, then will he/she become a widower or widow or not?

Student: They will become.

Baba: They will become. She will become a widow, will she not? So, in this way, there in the Golden Age nobody becomes a widow or a widower at all. It means that they leave their bodies together and they are born together through some womb. It is about the Golden Age.

संगमयुग में राधा आत्मा जहां पल रही है वो चन्द्रवंशियों का घेराव है, पडाव है। चन्द्रवंशियों का सारा संगठन है। चन्द्रमाँ माने ज्ञान चन्द्रमाँ ब्रह्मा को मानने वालों का संगठन है। माने बी.के वाले, पक्के जो शुद्ध बी.के हैं उनका संगठन है। उनमें वो राधा पल रही है। और कृष्ण? सूर्यवंशियों के बीच में पल रहा है। तो वो अलग कुल का, वो अलग कुल की। दोनों जब मेल होंगे तब की बात है। माने उनका जन्म कोई साथ-साथ नहीं होता है संगमयुगी राधा-कृष्ण का। आगे-पीछे हो जाता है। राधा का जन्म पहले होगा या कृष्ण का जन्म पहले होगा? (किसी ने कहा – राधा।) हाँ, शास्त्रों में दिखाया है राधा बड़ी थी और कृष्ण छोटा था। माने

Website: www.pbks.info Email: a1spiritual1@gmail.com
YouTube: Adhyatmik Vidyalaya or AIVV

राधा पहले प्रत्यक्ष होगी और कृष्ण बाद में प्रत्यक्षता रूपी जन्म लेगा। पवित्र पहले कौन बनता है?

The place where the soul of Radha is being sustained in the Confluence Age is a surrounding (*gheraao*) of the *Chandravanshis*, a camp (*padaav*), a gathering of the *Chandravanshis*. It is a gathering of those who believe in the Moon, i.e. the Moon of knowledge Brahma. It means that it is a gathering of the firm, pure BKs. Radha is being sustained there. And what about Krishna? He is being sustained among the *Suryavanshis*. He belongs to a separate family and she belongs to a separate family. It is about the time when both of them meet. It means that the Confluence Age Radha and Krishna are not born simultaneously. They are born one after the other. Will Radha be born first or will Krishna be born first? (Someone said: Krishna) Hum? (Everyone said: Krishna... Radha.) Yes. It has been shown in the scriptures that Radha was elder and Krishna was younger. It means that Radha will be revealed first. And Krishna will take revelation-like birth later. Who becomes pure first?
…………………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.